SSLC FIRST BELL HINDI CLASS 09 UNIT 1

LESSON 3 टूटा पहिया

VICTERS CLASS LINK	LESSON 3 WS 3	SURESH K DPT OF HINDI MESHSS

संतप्त = afflicted ,

जीवन = life ,

उपेक्षित = neglected ,

अत्याचारी = tytrant ,

शोषण - पीडन = exploitation - torture ,

व्यवस्था = system ,

हथियार = weapon ,

अधर्म = iniquity , injustice ,

अत्याचार = atrocity ,

बहुमुखी प्रतिभा = versatility ,

प्रयोगवादी = experimentalist ,

बहुचर्चित = famous ,

धर्मवीर भारती

- आप का जन्म **25** दिसंबर , सन **1926**
- जन्मस्थान इलाहाबाद , उत्तरप्रदेश
- निधन **1997** सितंबर **4**
- बहुमुखी प्रतिभा संपन्न साहित्यकार है । वे प्रयोगवादी कवि के रूप में विख्यात है ।
- टूटा पहिया श्री धर्मवीर भारती की एक बहुचर्चित कविता है ।

<u>भाषा और शैली</u>

- धर्मवीर भारती के कविता की मुख्य सविशेषता है पावनता वैष्णवता और काल्पनिकता ।
- पौराणिक प्रसंग से नए संदर्भ और नवीन अर्थ जोड़ना भी एक विशेषता है ।

अभिमन्यु : -

महाभारत युद्ध में अधर्म और अत्याचार का विरोध करते हुए दुस्साहसी अभिमन्यु ने टूटे पहिए से कौरवों की अक्षौहिणी सेनाओं का सामना किया था । अपने पक्ष को असत्य जानते हुए भी महाभारत युद्ध में। बड़े-बड़े महारथी ने मिलकर निरयुध अभिमन्यु पर हमला किया था । किसी ने भी अभिमन्यु की असहाय आवाज पर ध्यान न दिया। अभिमन्यु जैसे अधर्म से लड़नेवाले बहुत अधिक लोग हमारे समाज में है । कवि ने उन लोगों के बारे में यहां बताया है अर्थात यहां अभिमन्यु कोई आम जनता या कमजोर आदमी का प्रतीक हो सकता है ।

टूटा पहिया :-

महाभारत की कथा में वर्णित अभिमन्यु के रथ का टूटा पहिया , कवि की दृष्टि में लघु मानव या उपेक्षित मानव मूल्य का प्रतीक है । कवि कहते है कि " मैं रथ (जीवन) का टूटा पहिया (उपेक्षित मानव मूल्य) हूँ । लेकिन मुझे फेंको मत क्योंकि शोषण और पीड़न से संतप्त कोई दुस्साहसी अभिमन्यु (साधारण जन) मुझे अपने हाथ में लेगा , हो सकता है वह अक्षौहिणी सेनाओं को (अत्याचारी शोषकों को) चुनौती देता हुआ शोषण - पीडन की व्यवस्था का शिकार हो जाए । तब मैं (उपेक्षित मानव मूल्य) टूटा पहिया बनकर अभिमन्यु के हाथ का हथियार बना था । (अभिमन्यु ने रथ के टूटे पहिए को हथियार बना लिया था) । सब के द्वारा उपेक्षित मानव मूल्य कहता है कि - मैं रथ का टूटा पहिया हूँ । मैं ब्रह्मास्त्रों (अधर्म और अत्याचार) से लड़ सकता हूँ । इसलिए मुझे फेंको मत ।

कविता में प्रयुक्त प्रतीक : -

- **टूटे हुए पहिए - खोए हुए मानव मूल्यों का प्रतीक है ।**
- **चक्रव्यूह - शोषक वर्ग / शासक वर्ग के अधिकार का प्रतीक है ।**
- **महारथी - शोषक वर्ग / शासक वर्ग का प्रतीक ।**
- **ब्रह्मास्त्र - शोषण का प्रतीक ।**
- **टूटा पहिया - लघु मानव या उपेक्षित मानव का प्रतीक ।**

Q . इन पंक्तियाँ हमसे क्या कहना चाहते है ?

इतिहासों की सामूहिक गति
सहसा झूठी पड़ जाने पर
क्या जाने
सच्चाई टूटे हुए पहियों का आश्रय ले ।

ANS : इतिहास मानव द्वारा ही बन जाता है । मानव द्वारा ही इसका निर्माण और नियंत्रण होता है । " इतिहासों की सामूहिक गति सहसा झूठी पड़ जाना " मतलब है - सत्य और धर्म के विरुद्ध इतिहास के निर्माण हो जाना , अगर ऐसे जाते है तो अभिमन्यु जैसे लोग इसकी स्वाभाविक शक्ति को वापस लाने केलिए लड़ते है । तब उसकी सहायता करनेवाला मूल्यवान साधारण लोग होता है । कविता में टूटे हुए मानव मूल्यों की बात कही है । जैसे महाभारत युद्ध में अभिमन्यु ने कौरवों की अक्षौहिणी सेना का सामना करने केलिए यानि अत्याचार , अन्याय , अधर्म का विरोध करने केलिए रथ के टूटे पहिए का सहारा लिया था , वैसे ही कोई भी व्यक्ति चाहे वह कमजोर हो , वह भी मानव मूल्यों की रक्षा कर सकता है ।

Q11 . कविता की टिपण्णी लिखें : -

टूटा पहिया कविता की टिप्पणी

कविता के टिप्पणी (COMMENTARY OF THE POEM)

लिखते समय : ध्यान दें :::

- भूमिका - कवि परिचय , रचना का मूल उद्देश्य I (PRELUDE , INTRODUCTION)
- कविता का आशय I (MEANING OF THE POEM)
- भाषा और रचना की विशेषताएं I (FEATURES OF LANGUAGE AND COMPOSITION)
- विशेष पंक्तियों का उल्लेख I(MENTION OF SPECIAL LINES)
- शीर्षक की सार्थकता I (SIGNIFICANCE OF THE TITLE)
- निष्कर्ष I (CONCLUSION)